पुस्तकालय

2

3017
28/7/09

सत्यमेव जयते

असंशोधित

17 JUL 2009

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग I—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

प्रतिवेदन शाखा
गै०स०प्रे०सं० 808 तिथि [illegible]

श्रीमती गुड्डी देवी : अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना था इसमें जो कोरिया लालपुर का जिक्र किया गया है, वहां भवन विहीन रहने के कारण, भवन नहीं है जिसके कारण वहां डाक्टर नहीं जा पाते हैं , एक वही नहीं है, मैं दूसरा उदाहरण भी दे सकती हूं लेकिन इसमें स्पष्ट केवल कोरिया लालपुर का है मैं केवल इसी पर माननीय मंत्रीजी से पूछना चाहती हूं कि इसका भवन इस वित्तीय वर्ष में बनाने का विचार रखती है या नहीं रखती है तो क्यों ?

श्री नंदकिशोर यादव,मंत्री : महोदय, मैंने कहा कि जब हम सरकार में आये तो मैंने कहा कि बड़े पैमाने पर अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्रों के भवन नहीं थे महोदय बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मानक के अनुसार पूरे बिहार के अंदर १५४४ अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और होने चाहिये थे, ७७६५ स्वास्थ्य उपकेन्द्र और होने चाहिये थे, जो १२४३ अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र थे भी उसमें बहुत सारे भवहीन थे, उन भवहीन अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र, स्वास्थ्य उप केन्द्रों के निर्माण के लिये क्रमवार ढंग से हमने धनराशि आवंटित करने का तय किया है, हमने उसका काम प्रारंभ करने का निर्णय लिया है, माननीय सदस्या को कहना चाहते हैं कि आपका अस्पताल हमारे ध्यान में है और जब हम निर्माण का काम करेंगे तो उसका विशेष ध्यान रखेंगे ।

तारांकित प्रश्न सं०-११३७(श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल)

श्री नंदकिशोर यादव,मंत्री : महोदय, १. यद्यपि उक्त पद रिक्त है फिर भी विद्युत शव गृह परिचारक से सम्पादित कराया जा रहा है संविदा के आधार पर ।

२. ऊपर स्थिति स्पष्ट कर दी गयी है ।

३. उक्त खंड -१ में उत्तर दिया गया है ।

४. पद भरने के विकल्प पर विचार किया जा रहा है ।

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल : अध्यक्ष महोदय, यह सर्वविदित है कि स्वास्थ्य विभाग अन्य विभागों के साथ पूरे राज्य में बहुत अच्छा काम कर रहा है लेकिन मैं जो प्रश्न अभी उठाया हूं यह दुर्भाग्य से लोगों को वहां जाना पड़ता है और वैसी परिस्थिति में जहां अन्त्य परीक्षण के लिये जहां उसके सहायक नहीं होने के कारण लोगों का शोषण होता है, मैं माननीय मंत्रीजी से यह आग्रह के साथ जानना भी चाहता हूं कि क्या कोई समय सीमा निर्धारित करके वहां अन्त्य परीक्षण हेतु जो चिकित्सकों के सहायक के लिये जो पद रिक्त है उसपर नियुक्ति करना चाहेंगे विशेष परिस्थिति में ?

श्री नंदकिशोर यादव,मंत्री : महोदय, मैंने इस प्रश्न की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की है और मुझे भी यह लगा कि १९९३ से पद खाली है तो क्यों नहीं किया गया, मैंने विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जो नियुक्ति की प्रक्रिया तय, निर्धारित है उस पर कार्रवाई होनी चाहिये । विभाग के अधिकारी इसकी समीक्षा कर रहे हैं, उसके बाद उस पर कार्रवाई की जायेगी ।

श्री जनार्दन सिंह सीग्रवाल : महोदय, यह कोई मेरा मैटर या कोई एक व्यक्ति का मैटर नहीं है, यह पूरे राज्य का मैटर है और राज्य में जो पी०एम०सी०एच० में लोग आते हैं और खास कर उस समय बहुत विह्वल स्थिति हो जाती है कि किसी का १० साल, १२ साल, १४ साल का बच्चा मरता है और वह पोस्ट मार्टम गृह में जाता है और वहां उसकी लाश इसलिये नहीं मिलती है कि उसको वह नाजायज पैसा नहीं देता है, महोदय, यह काफी दुखद बात है और इसलिये नहीं लेने का कारण यह है कि वहां पर परमानेंट नियुक्ति आपकी नहीं है, आपका कंट्रोल नहीं है, हमने उसके विभाग के विभागाध्यक्ष से मिल करके आग्रह करने के बाद भी उन्होंने कहा कि हम विवश हैं, कर नहीं पाते हैं और कराना उन्हीं से है जो तत्काल लोकल व्यवस्था है तो क्या सरकार इसकी कोई समय सीमा करके विशेष परिस्थिति को बनाकर वैसे दारूण दुख में रहनेवाले लोगों को पीड़ा में भी पीड़ा देने की परिस्थिति को खत्म करने के लिये उस नियुक्ति को तुरत कराना चाहती है, कोई समय सीमा के अंदर ?

श्री नंदकिशोर यादव,मंत्री : महोदय, मैंने बताया, यह पद १९९३ से खाली है, १६ साल से खाली है लेकिन

(व्यवधान)

अरे भई बात सुनने में दिक्कत होती है क्या आपको ? सवाल ही यही है कि १९९३ से खाली है, १६ साल से खाली है लेकिन मैंने कहा कि मैंने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इसकी समीक्षा करें और यह अगर खाली है, भरने की कार्रवाई होनी चाहिये, यह मैंने कहा है, माननीय सदस्य को मैं आश्वस्त करना चाहता हूं और आपके माध्यम से सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि जो विधि सम्मत कार्रवाई होगी इसको भरने की, वह की जायेगी ।

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल : महोदय, मुझे कुछ कहना नहीं है क्योंकि पहले ही मैंने स्वीकार किया कि स्वास्थ्य विभाग अच्छा काम कर रहा है, मैं केवल इतना चाहता हूं कि कोई समय सीमा मंत्री महोदय कर दें तो इनके अधिकारी भी पाजिटिव करके उस समय सीमा के अंतर्गत करा दें ।

तारांकित प्रश्न संख्याः-११३७ का पूरक

श्री नंदकिशोर यादव, मंत्रीः- महोदय,इसके चयन की एक बड़ी प्रक्रिया है और उस प्रक्रिया पर केवल मंत्री का आदेश हो जायेगा,तो चयन हो जायेगा ऐसा है नहीं। मैंने कहा कि चयन करने की जो प्रक्रिया है उसको प्रारंभ किया जायेगा,यह निदेश दिया गया है और जल्दी करायेंगे इसको।

अध्यक्षः- जल्दी करायेंगे।

तारांकित प्रश्न संख्याः-११३८

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह, मंत्रीः- उत्तर स्वीकारात्मक है। क्रमिक रुप से तार बदलने की प्रक्रिया की जा रही है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में सभी बदल दिये जायेंगे।

तारांकित प्रश्न संख्याः-११३९

प्रश्नकर्ता सदस्य अनुपस्थित।

तारांकित प्रश्न संख्याः-११४०

श्री नंदकिशोर यादव, मंत्रीः- महोदय,उत्तर अस्वीकारात्मक है। किशोरियों में एनिमिया रोग से मुक्ति हेतु आई०एफ०ए०टैबलेट का वितरण सभी अस्पतालों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर किया जाता है। ए०एन०एम० एवं आशा कार्यकर्ताओं को आई०एफ०ए०टैबलेट देकर गॉव में एनिमिया से ग्रसित किशोरियों के बीच वितरित करने हेतु निदेशित किया गया है।

डा० रामचन्द्र पूर्वेः- महोदय,मेरा यह कहना है कि इसके लिए टाईमबौंड प्रोग्राम क्या सरकार चलाना चाहती है महोदय, इस बिमारी का बड़ा जबरदस्त कुप्रभाव है,आपके यहाँ जो मातृत्व मृत्यु दर है,इसी बिमारी से होता है,एक तरफ नारी सशक्तिकरण की बात हो रही है,सिर्फ पोलिटिकली नारी को हम कहीं पर स्थान दे दें, वह है एक सशक्तिकरण का लेकिन जब तक उसका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा, तब तक महोदय चूंकि पूरे विकास संरचना का मेरुदंड अधूरी महिला है। महोदय, अब कमजोरी,खून की कमी होने के चलते चक्कर रोधक क्षमता की कमी,स्मरण शक्ति की कमी.....(व्यवधान)

अध्यक्षः-माननीय सदस्य पूर्वे जी,आपका प्रश्न इतना व्यापक है।

डा०रामचन्द्र पूर्वेः-नहीं महोदय,एक कैजुअल ढंग से फलॉना टैबलेट दे दिया जायेगा,ऑयरन का टैबलेट दे दिया जायेगा। महोदय,मैं चाहता हूँ और सरकार को सुझाव देना चाहता हूँ कि इस प्रश्न को हमारे यहाँ जो मिड-डे-मिल है,उसके बाद ऑगनबाड़ी में जो भोजन की व्यवस्था है,उसके बाद ब्रीजकोर्स में जो लड़कियाँ पढ़ रही है,उन सारे जो संबंधित विभाग हैं,उन विभागों को सम्बद्व करके क्या सरकार जो किशोरियों में खून की कमी के चलते या प्राणघातक रोग मरने वाला नहीं, जिंदा रहकर भी मरणासन्न अवस्था में महिला रहती है,उससे मुक्ति दिलाने हेतु क्या कोई समयबद्व व्यापक कार्यक्रम आप चलाना चाहते हैं।

श्री नंदकिशोर यादव,मंत्रीः- महोदय,नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे थ्री हुआ था इस देश के अंदर, २००५-०६ में उसकी रिर्पोट आयी थी,उसके अनुसार बिहार में ६६.४ परसेंट किशोरियाँ एनिमिया से ग्रसित थीं और महोदय जब हमारी सरकार बनी,हमने उस रिर्पोट को देखा,तो हमारे लिए यह चिंता का विषय था कि हमारी बच्चियाँ ऐसी बिमारियों से ग्रसित हैं, तो हमने निश्चित कार्यक्रम तय किया और मैं इस पूरे कार्यक्रम के बारे में बताना चाहता हूँ महोदय कि किशोरियों में शारीरिक परिवर्तन के कारण आयरन की जरुरत ज्यादा होती है